

गुरुदेव से निराला कोई ओर नहीं रे ।

गुरुदेव से निराला कोई ओर नहीं रे ।
बेडा पार लगाने वाला, कोई ओर नहीं रे ॥

माया के वो बन्धन तोडे । प्रभु चरणो मे प्रीती जोडे ॥
सारे दुःख हटाने वाला कोई ओर नहीं रे ।
गुरुदेव से निराला ...

उपनिषद की कथा सुनावे । मेरे दिल की व्यथा मिटावे ॥
जनम मरण को मिटाने वाला कोई ओर नहीं रे ।
गुरुदेव से निराला ...

जीवन दर्शन हमे करावे । सतचित आनंद रूप बतावे ॥
मुक्तिधाम दिलाने वाला कोई ओर नहीं रे ।
गुरुदेव से निराला ...

ऐसे सदगुरु के गुण गाऊँ । चरणो मे तुम शिश नमाओ ॥
भव के बन्ध छुडाने वाला कोई ओर नहीं रे ।
गुरुदेव से निराला ...